P-301

Total Pages : 3 Roll No. .....

MASL-501

वेद एवं निरूक्त भाग-01

MA Sanskrit (MASL)

1st Semester Examination, 2023 (June)

Time : 2 Hours] **Max. Marks : 70**

नोट : यह प्रश्नपत्र सत्तर (70) अंकों का है जो दो (02) खण्डों क तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

(खण्ड-क)

(दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (2×19=38)

1. निम्नलिखित मन्त्र की सन्दर्भ सहित व्याख्या कीजिए :

नूनं सा ते प्रति वरं जरिगे दुहीयदिन्द्र दक्षिणा मधोनी।
शिक्षा स्तोतृभ्य मातिघग्भगो नो बृहद्वदेम विदथे सुवीराः।।

2. इन्द्र के स्वरूप एवं कार्यो का वर्णन कीजिए।

अथवा

इन्द्र के सोमरस पान के महत्त्व का वर्णन कीजिए।

3. पृथ्वी सूक्त की महत्ता पर प्रकाश डालिए।

4. नासदीय सूक्त के महत्त्व को बताएं।

5. सामनस्य सूक्त का सारांश लिखिए।

(खण्ड-ख)
(लघु उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (4×8=32)

1. पृथ्वी सूक्त की महत्ता पर प्रकाश डालिए।

2. हिरण्यगर्भ सूक्त की विशेषताएं बताइए।

3. रिण्यगर्भ सूक्त के अनुसार एकेश्वरवाद की व्याख्या कीजिए।

4. निरुक्त की उपयोगिता पर प्रकाश डालिए।

5. वेदांगों का परिचय दीजिए।

6. निरुक्त के आधार पर शब्दों का प्रतिपादन कैसे होता है प्रकाश डालिए।

7. वेदार्थ की आवश्यकता एवं उसका फल बताएं।

8. भावविकार से क्या तात्पर्य है स्पष्ट कीजिए।